सरफराज व अजहर के कमरों से बरामद हुए अवैध हथियार, संपत्तियों और स्कूल से जुड़े दस्तावेजों से खुल सकते हैं कई राज

घर से दो पिस्टल, तीन कारतूस और संदिग्ध दस्तावेज जब्त

▶ डिमांड पर मिली रिमांड में कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही पुलिस

हरिभूमि, जबलपुर।

अपराध जगत का चर्चित नाम अब्दुल रज्जाक उर्फ पहलवान के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज होती जा रही है। सिवनी जिले के पेंच से पकड़े गए गैंग के चार प्रमुख सदस्यों बेटा सरफराज, भाई मोहम्मद महमूद, भतीजा अजहर और गुर्गा सज्जाद की निशानदेही पर शनिवार को ओमती पुलिस ने नया मोहल्ला रिपटा स्थित रज्जाक के घर में दबिश दी। घर पर छापेमारी के दौरान बेटे सरफराज और अजहर के कमरों से दो पिस्टल और तीन कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा घर से कई संपत्तियों के दस्तावेज, संदिग्ध अभिलेख, और आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी सामग्री भी पुलिस के हाथ लगी है।

ताला तोड़कर हुई सर्चिंग

जब पुलिस दल आरोपियों को लेकर घर पहुंचा, तो वहां ताला बंद मिला। पंचनामा बनाकर ताला तुड़वाया गया और फिर घर की गहन तलाशी शुरू हुई। पूरे ऑपरेशन में किसी भी तरह की जानकारी पहले से लीक न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

स्कूल के लिए ईओडब्ल्यू से संपर्क

तलाशी में खजरी खिरिया स्थित एक निजी स्कूल से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, जिसकी मान्यता पूर्व में निरस्त की जा चुकी है। स्कूल संचालन से जुड़े मामलों में भी एफआईआर दर्ज है। पुलिस अब इन दस्तावेजों को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपकर जांच को आगे बढ़ा सकती है। पुलिस को उम्मीद है कि रज्जाक गैंग की आर्थिक और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े कई और राज जल्द उजागर होंगे।

अब रडार में गुर्गो समेत पनाहगार

सिवनी से गिरफ्तार हुए भाई-भतीजे और गुर्गे और जबलपुर से दबोचा गया बेटा सरफराज ने अब तक कहां-कहां फरारी काटी डिमांड पर मिली रिमांड में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान आरोपियों को किन-किन लोगों ने मदद की उन पनाहगारों की सूची भी बनाई जा रही है। वहीं रज्जाक गैंग के लिए कार्य करने वाले गुर्गे शहर छोड़कर भाग गए है। पुलिस उनकी भी तलाश में छापेमारी कर रही है।

मर्सिडीज लेकर भागा था अब्बास

वहीं सिवनी रेड के दौरान निकाह में शामिल होने के लिए रज्जाक का रिश्तेदार अब्बास भी था। लेकिन उसको पुलिस कार्रवाई की भनक पहले ही लग गई थी इसलिए वह अपनी मर्सिडीज लेकर वहां से फरार हो गया। निकाह में शामिल हुए सूत्रों के मुताबिक अब्बास जिस कार में भागा वह सफेद रंग की थी और उसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपये भी रखे थे।

दूध के धंधे से बना गैंगस्टर

दूध के धंधे से अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह बना अब्दुल रज्जाक उर्फ पहलवान 1959 में नरसिंहपुर के करेली से जबलपुर आया था। शुरुआत दूध बेचने से हुई, लेकिन जल्द ही रज्जाक ने टोल टैक्स के ठेके लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक संपर्क बनाए। यहीं से उसका जुड़ाव संगठित अपराध से हुआ। धीरे-धीरे वह रंगदारी, अपहरण, हत्या के प्रयास, डकैती, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे संगीन अपराधों में लिप्त हो गया। रज्जाक पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। रज्जाक का गिरोह पारिवारिक मॉडल पर चलता है, जिसमें उसका बेटा सरफराज और सरताज, भाई मोहम्मद महमूद, भतीजा अजहर और गुर्गा मोहम्मद सज्जाद जैसे विश्वसनीय लोग शामिल हैं। ये लोग जबलपुर, कटनी और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में सक्रिय रहे। फिलहाल रज्जाक भोपाल की जेल में बंद है, लेकिन उसका गैंग अब भी परिवार और गुर्गों के माध्यम से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा हैं।

रिमांड में पूछताछ जारी है

आरोपियों की निशानदेही पर उनके घरों की सर्चिंग की गई है। जिसमें दो पिस्टल, तीन कारतूस समेत कुछ अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं। जिनकी तस्दीक कराई जा रही है। रिमांड में पूछताछ जारी है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।
-संपत उपाध्याय, एसपी

सिहोरा पुलिस ने 11 सिलेंडर, रिफिलिंग मशीन और बैटरी की जब्त

घरेलू गैस सिलेंडर से कर रहा आटो में रिफिलिंग

हरिभूमि, जबलपुर।

सिहोरा थाना क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रूप से ऑटो में रिफलिंग करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 11 घरेलू गैस सिलेंडर, गैस रिफिलिंग मशीन, पाइप, रेगुलेटर और बैटरी जब्त की गई है। टीआई विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गौरी तिराहा स्थित जनता गैरिज में दबिश दी गई, जहां आरोपी 28 वर्षीय शैफ अली उर्फ गोलू निवासी वार्ड क्रमांक 4, आजाद चौक, सिहोरा को अवैध गैस रिफिलिंग करते पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 287 बीएनएस एवं 3/7 ईसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में एसआई केपी पांडे, प्रधान आरक्षक मुकेश राजपूत, आरक्षक विक्रम पटेल, अवधेश कुशवाह और राजेश यादव की उल्लेखनीय भूमिका रही।

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत कंदराखेड़ा भारत पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रक से एक बाईक टकरा गई, जिससे बाईक में सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा घायल है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार परियट निवासी 22 वर्षीय मनीष वंशकार उर्फ भूरा गत दिवस अपने दोस्त परियट बरा मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय अभिषेक कुशवाहा के साथ बाईक क्रमांक एमपी 20 केजे 2560 से अपने घर जा रहे थे। बाईक अभिषेक चला रहा था। रात लगभग 9.30 बजे कंदराखेडा भारत पेट्रोलपंप के सामने पहुंचे तभी ट्रक क्रमांक यूपी 64 टी 6340 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये दाहिने तरफ मोड़ा, जिससे अभिषेक की मोटर सायकल ट्रक से टकरा गयी और दोनों बाईक सहित नीचे गिर गए जिससे दोनों के सिर में चोटें आ गई। 108 एम्बुलेंस से अभिषेक कुशवाहा को उपचार हेतु सीएचसी पनागर लेकर आये जहां डाक्टर ने चैक कर अभिषेक कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(1), 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अपैक्स बैंक प्रत्येक अभ्यर्थी के अंकों का खुलासा करे : हाई कोर्ट

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक मार्यादित, भोपाल यानि अपैक्स बैंक को निर्देश दिया है कि लिखित परीक्षा में शामिल प्रत्येक अभ्यर्थी के अंकों का खुलासा करें, चाहे उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया गया हो या नहीं। साथ ही साक्षात्कार में उपस्थित अभ्यर्थियों द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अलग-अलग अंकों का भी खुलासा करें। इसके अलावा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के उनके कुल अंकों का भी खुलासा करें। यह प्रक्रिया अंतिम चयन सूची जारी करते समय सम्पन्न की जाए। अंतिम चयन सूची का खुलासा किए जाने पर आपत्ति का बिंदु पाए जाने पर याचिकाकर्ता को उसे चुनौती देने स्वतंत्र होगी। कोर्ट ने इस निर्देश के साथ याचिका का निराकरण कर दिया।

याचिकाकर्ता भोपाल निवरसी प्राची मिश्रा की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि अपैक्स बैंक द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के संबंध में परीक्षा आयोजित की गई। लेकिन विज्ञापन की शर्तों का पालन नहीं किया। नियमानुसार अपेक्स बैंक को मौखिक परीक्षा के पूर्व लिखित परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवारों के अंकों का खुलासा करना अनिवार्य था और उसका रिजल्ट जारी करना था, जो नही किया गया। अपेक्स बैंक को रिजल्ट जारी करने के पश्चात ही मौखिक साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को बुलाना था। लेकिन ऐसा न करते हुए मनमानी की गई। इसीलिए भर्ती परीक्षा में शामिल याचिकाकर्ता द्वारा हाई कोर्ट की शरण ली गई।

राज्य की प्रशासनिक भूलों की कीमत सेवानिवृत्त कर्मी से नहीं वसूल सकते

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि राज्य की प्रशासनिक भूलों की कीमत सेवानिवृत्त कर्मी से नहीं वसूल सकते। जब किसी पेंशनभोगी की मंशा, छल या दुराव छिपे न हो, तो प्रशासनिक त्रुटिवश प्रदत्त धनराशि की वसूली सेवानिवृत्ति के पश्चात न्यायसंगत नहीं है। इसी के साथ पेंशनभोगी से वसूली का आदेश निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सेवानिवृत्त पुलिस उप निरीक्षक सीएम शुक्ला की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, विनीत टेहेनगुरिया व शुभम पाटकर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्ति के उपरांत वसूली नोटिस थमाया गया। इसके अंतर्गत दो लाख 12 हजार 854 रुपये की वसूली निकाल दी गई। राज्य का तर्क यह था कि यह राशि द्वितीय समयबद्ध वित्तीय उन्नयन (एसीपी) के रूप में एक अप्रैल, 2006 से त्रुटिवश प्रदान की गई थी। इसके जवाब में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह भुगतान प्रशासनिक भूल थी, जिसमें उसकी की ओर से न कोई छल था, न ही कोई मिथ्या विवरण दिया गया था और न ही उक्त लाभ देने के पूर्व इस आशय का कोई प्रतिज्ञापत्र निष्पादित किया गया था कि गलत भुगतान पर लाभ वापिस किए जाएंगे। हाई कोर्ट ने सभी तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता के हक में आदेश पारित कर दिया।

गौरघाट पुलिस ने बरामद किए 310 पाव, 8 हजार 500 नगद

अवैध शराब के साथ कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। गौरघाट पुलिस ने अवैध शराब कारोबार में लिप्त कुख्यात आरोपी उमेश पटेल और उसके साथी सुरेन्द्र ठाकुर को रंगे हाथ गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 310 पाव देशी शराब कीमत 30 हजार और बिक्री की रकम आठ हजार 500 नगद जब्त की गई। टीआई सुभाष चंद्र बघेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुरानी बस्ती में दबिश दी गई। दोनों आरोपी शराब से भरी बोरियों के साथ सड़क पर खड़े मिले। पकड़े गए उमेश पटेल के खिलाफ पूर्व में आबकारी एक्ट के 45 मामले दर्ज हैं, जबकि सुरेन्द्र ठाकुर पर भी मारपीट व शराब से जुड़े छह अपराध हैं। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक हरक बहादुर थापा, आरक्षक गोपेश और संदीप पांडे की सक्रिय भूमिका रही।

मड़ई मस्जिद मामले में प्रशासन ने की स्थिति साफ

जबलपुर। एसडीएम रांझी आर एस मरावी ने जानकारी दी है कि कतिपय व्यक्तियों द्वारा तहसील रांझी, ग्राम मड़ई स्थित मस्जिद को हटाने के लिए 14 जुलाई को महाआंदोलन किए जाने का प्रचार-प्रसार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया जा रहा है। साथ ही कहा है कि जबलपुर तहसील रांझी स्थित ग्राम मड़ई में स्थित मस्जिद पर मस्जिद कमेटी द्वारा प्रथम तल किए जा रहे अतिरिक्त निर्माण कार्य कि संबंध में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद द्वारा शिकायत की गई थी कि मस्जिद का निर्माण गायत्री बाल मंदिर संस्था की भूमि पर किया गया है, अतः विधिवत सीमांकन कर मस्जिद का निर्माण हटाया जाए।

शिकायत के संदर्भ में प्रकरण में मौका एवं राजस्व अभिलेखों की जांच तथा विस्तृत सीमांकन के आधार पर वस्तुस्थिति के संबंध में उन्होंने कहा कि उक्त मस्जिद का निर्माण वर्ष 1985 में किया गया है। इस प्रकार उक्त मस्जिद, मंदिर को मस्जिद में परिवर्तित करने संबंधी किसी ऐतिहासिक विवाद से संबंधित नहीं है। विवाद की शुरुआत मस्जिद में प्रथम तल पर अतिरिक्त निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की वजह से हुई। बंदोबस्त वर्ष 1990-91 के पूर्व मूल खसरा नंबर 326 था, जिसके कुल 8 बटांक थे। 2 बटांक 326/6 रकवा 0.008 हे. एवं 326/7 रकवा 0.014 हे. सैफुद्दीन के नाम दर्ज था। बंदोबस्त के समय वर्ष 1990 में उक्त भूमि पर मौके पर मस्जिद निर्मित थी, लेकिन तत्समय नक्शे में बटांकन नहीं हुआ था। एक बटांक ख.नं. 326/4 रकवा 0.022 हे. भूमि गायत्री बाल मंदिर विद्यालय के नाम दर्ज था। बंदोबस्त के दौरान उक्त मूल खसरा नंबर 326 के 8 बटांकों के नवीन नंबर 163 से 170 तक बने। किंतु उक्त सर्वे नंबर मौके पर कब्जे के हिसाब से नहीं बनाए गए। उक्त नवीन सर्वे नंबरों के रकबे भी त्रुटिपूर्ण दर्ज किए गए।

उन्होंने कहा कि गायत्री बाल मंदिर संस्था का नवीन नंबर 169 बना। जो बंदोबस्त के पूर्व बटांक नंबर 326/4 था। तत्समय मौके पर स्थिति स्पष्ट नहीं थी और न ही वर्तमान में मौके पर उक्त संस्था का कोई कब्जा है। बंदोबस्त के दौरान बनाये गए नक्शे में नवीन नंबर 169 को जिस स्थान पर त्रुटिपूर्ण दर्शित किया गया, वहां पर मौके में पूर्व से ही मस्जिद बनी थी। मौके पर पुराने खसरा नंबर 326 के किसी भी बटांक में उक्त संस्था का कब्जा होना नही पाया गया है। मौके पर कभी मंदिर निर्मित होने या मंदिर की भूमि पर मस्जिद निर्मित होने जैसा कोई प्रमाण नहीं पाया गया है। जांच में यह सिद्ध पाया गया है कि मस्जिद का निर्माण बंदोबस्त के पूर्व उनके क़ब्ज़े और मालिकी हक़ की भूमि पर ही हुआ है। लेकिन बंदोबस्त में नवीन सर्वे नंबर और नक़्शा क़ब्ज़े के अनुसार निर्मित नहीं किए गए, जिसकी वजह से वर्तमान में विवाद की स्तिथि निर्मित हुई है। बंदोबस्त की उक्त नक़्शा त्रुटि सुधार के लिए न्यायालय कलेक्टर जबलपुर में प्रकरण प्रस्तुत किया गया है। नक़्शा त्रुटि सुधार के लिए कलेक्टर न्यायालय में हितबद्ध/प्रभावित पक्षकारों की सुनवाई कारवाई प्रचलित है। प्रकरण में गायत्री बाल मंदिर संस्था, जिनके नाम पर नवीन नंबर 169 रकवा 0.02 हे. (2152 वर्गफुट) दर्ज है, के लिए अभी तक कोई भी दावाकर्ता/पक्षकार उपस्थित नहीं हुए हैं।

एसडीएम श्री मरावी ने कहा कि प्रकरण में बन्दोबस्त की त्रुटि का सुधार कर वर्तमान कब्जे के अनुसार नक्शा और बटांक नंबर निर्मित करने की कार्यवाही की जाएगी। मस्जिद का निर्माण बंदोबस्त के पूर्व उनके क़ब्ज़े और मालिकी हक़ की भूमि पर ही हुआ है। अतः उसे हटाने की प्रश्न उपस्थित नहीं होता है। मस्जिद के संबद्ध में आंदोलनकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया गया है। आंदोलनकारियों को विधि-विरुद्ध कार्यवाही कर कानून व्यवस्था की स्तिथि नहीं बिगाड़ने के लिए कई बार समझाइश दी जा चुकी है।

नगर निगम जबलपुर का स्पेशल अवार्ड में चयन

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की प्रतियोगिता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व और निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव की प्रशासनिक दक्षता तथा उनकी स्वच्छता टीम की मेहनत फिर से एक बार रंग लाई है और राष्ट्रीय स्तर पर नगर निगम जबलपुर के नाम का परचम फहराने में सफलता हासिल की है। निगमायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 17 जुलाई 2025 को स्वच्छ सर्वेक्षण - 2024 के अंतर्गत सुपर स्वच्छ लीग (एसएसएल) में बेहतर प्रदर्शन करने पर नगर निगम जबलपुर को मिनिसट्रियल अवार्डी स्पेशल कैटेगरी के लिए चयनित किया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जबलपुर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर यह अवार्ड दिया जा रहा है।

आगामी 17 जुलाई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री द्वारा स्पेशल आवार्ड प्रदान किया जाएगा. जिसे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव एवं नोडल अधिकारी संभव अयाची प्राप्त करेगें। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर जबलपुर ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बना ली है। स्वच्छ भारत मिशन ने जबलपुर नगर निगम को स्पेशल कैटेगरी में सम्मानित करने के लिए चयनित किया है।

उन्होंने स्पेशल कैटेगरी आवार्ड मिलने का श्रेय शहर के नागरिकों के साथ-साथ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, स्वास्थ्य प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य रजनी कैलाश साहू, स्वच्छता के सभी ब्रांड एम्बेस्डर, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, मनोज श्रीवास्तव, अंजू सिंह ठाकुर, उपायुक्त संभव अयाची, तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी और सहायक यंत्री अभिनव मिश्रा सहित स्वच्छता टीम के सभी सदस्यों क्रमशः सभी स्वच्छता प्रभारी अधिकारी, संभागीय अधिकारी, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड सुपरवाईजर्स एवं स्वच्छता मित्र और सफाई संरक्षकों को दिया है।

सब्जी मंडी की हर गली में अतिक्रमण

जबलपुर। शहर की सब्जी मंडियों के हाल बुरे हैं। चाहे निवाड़गंज सब्जी मंडी हो, चाहे अधारताल सब्जीमंडी हो, गोहलपुर सब्जीमंडी, गोरखपुर सब्जीमंडी हो, सब जगह बुरे हाल है। कछपुरा फाटक के पास सड़क पर ही सब्जी मंडी लग रही हैं। सबसे बुरे हाल तो निवाड़गंज सब्जी मंडी के हैं। जिस मोड़ से प्रवेश करो उस मोड़ पर ही सड़कों पर दुकान सजी है। ऐसे में न केवल सब्जी खरीददारी करने वालों को जाने में परेशानी होती हैं बल्कि मंडी पर आवार पशुओं के विचरण करने से दुर्घटना भी हो जाती है। यहां दुकानदारों को चबूतरे अलॉट है लेकिन पूरी मंडी में दोनों तरफ 5-5 फुट का कब्जा व्यापारी कर रखे है। ग्राहकों को बीच रोड में अपने वाहन खड़े करना पड़ता है। शंकर घी भंडार से मंडी के कमानिया गेट तक चना, मूंगफली, वालें आदि सड़क तक दुकान लगाए हुए है दूसरी तरफ गल्लामंडी से सामने वाली लाईन में जिस गली में प्रवेश करो उस गली में कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। मजे की बात यह है कि नगर निगम का जोन कार्यालय 4 कदम की दूरी पर है। जोन कार्यालय के कर्मचारी यहां खरीददारी के लिए जाते है पर उन्हें समस्या नहीं दिखती, मुफ्त की सब्जी भाजी लेकर जनता को उसके हाल पर छोड़ देते हैं। न व्यापारी सुधर रहे है न ही व्यवस्था सुधर रही है। लटकारी पड़ाव सब्जी मंडी के और बुरे हाल है। चारों तरफ अराजकता फैली हुई है। आवार पशु मल्ल युद्ध करते देखे जाते है। सड़कों पर लगी सब्जी भाजी की टोकरी के पास पहुंचते ही उन्हें लाठी से हकेला जाता है तो वे किसी न किसी वाहन सवार पर हमला कर देते है जिससे दुर्घटनाएं होती है। इसके बावजूद जिम्मेदार लोग हाथ पर हाथ धरकर बैठे है।

कर्मचारी गोदाम से चोरी कर ले गया 80 हजार रुपए का माल

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत हर्षित नगर यादव कालोनी स्थित स्पोटर्स का 80 हजार रुपए का रखा सामान दुकान में काम करने वाला लड़का चोरी कर ले गया। घटना के संबंध में लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्षित नगर यादव कालोनी निवासी 25 वर्षीय शांतनु तिवारी की सदर स्थित खेल सामाग्री की दुकान है, और गोदाम घर पर है। उसकी दुकान में अशोक अहिरवार काम करता था। गत 23 मई को कर्मचारी अशोक दुकान से गोदाम माल लेने पहुंचा था। चूंकि गोदाम घर में ही है, लिहाजा उस दिन घर में शांतनु की दादी और घर पर काम करने वालें कर्मचारियों की मौजूदगी में अशोक अहिरवार सामान लेने पहुंचा था। उसे जितना सामान लाने भेजा था उससे ज्यादा संख्या में सामान लेकर वो चला गया। दुकानदार की शिकायत के मुताबिक उसे बीजी 65 रेकेट की कटींग, शटल कॉक के बाक्स 350 योनेक्स के रेकेट एवं ट्रैकसूट लेने उसके घर स्थित गोदाम भेजा गया था। अशोक अहिरवार ने घर जाकर जो सामान बोला था उससे ज्यादा मात्रा में 7-8 रैकिट, बीजी 65 रैकिट की कटिंग 90 नग, यूनिक्स 350 के शटल 120 नग, ट्रेक सूट 15 नग घर से निकाल कर दुकान न लाकर अपने घर ले गया, बुलाने पर भी नहीं आया। अशोक अहिरवार उसके घर से 80 हजार रूपये कीमती सामान चोरी कर ले गया है।

कजलियां महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पारंपरिक तर्ज पर हनुमानताल में मानने की बात की गई

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है : स्वामी अखिलेश्वरानंद

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है और इसी समरसता के भाव को जागृत करने हमे पारंपरिक पर्वो को मिलकर मानना होगा, इसके लिए समरसता सेवा संगठन के द्वारा जिस तरह सभी समाजों को एक करके कार्यक्रम किए जा रहे है यह अनुकरणीय भी है और अभिनंदनीय भी है, उक्ताशय के उद्गार महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी महाराज ने समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित सर्व समाज की बैठक के अवसर पर समन्वय सेवा केंद्र छोटी लाइन फाटक में दिए।

समरसता सेवा संगठन द्वारा आगामी वृहद पौधारोपण एवं कजलियां महोत्सव की रूपरेखा हेतु सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के स्थान और स्वरूप पर समाज के प्रतिनिधियों से सुझाव दिए। सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझाव में कजलियां महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पारंपरिक तर्ज पर हनुमानताल में मानने की बात की गई।

पूज्य स्वामी अखिलेश्वरानंद जी ने बैठक में आशीर्वचन देते हुए कहा हम समाज में विषमता नही चाहते हमारे भारत में विभिन्न जाति समाज भाषा के लोग विभिन्न क्षेत्रों में निवास करते है, और उन्ही के अनुसार पर्वो और त्योहारों को मनाते है और मैं हमेशा कहता हूं कि भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है, चाहे सतयुग हो, त्रेता युग हो, द्वापर युग हो या आज जिस युग में हम है वह कलयुग हो हर युग में सामाजिक समरसता रही है, और इसी सामाजिक समरसता को मानते हुए हम कजलियां पर्व मानने के लिए आज हम एकत्र हुए है और मेरा मानना है किसी भी कार्यक्रम को सफल, सार्थक और प्रभावी बनाने के लिए चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एक होकर कार्य करे तो निश्चित रूप से सफलता हमे मिलेगी।

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा समरसता सेवा संगठन आप सभी का अपना संगठन है, आपके सहयोग और मार्गदर्शन से आज संगठन ने जो गति और उंचाई तय की है उसमे आपकी उल्लखेनीय भूमिका रही है। समरसता सेवा संगठन के प्रारंभ से ही हमने एक मूल मंत्र समरस भारत से समर्थ भारत के निर्माण के लिए सब सबको जाने और सब सबको माने को चरितार्थ करने में आपका अतुलनीय योगदान है। समसरता सेवा संगठन ने अपने प्रारंभ से लेकर अभी तक 72 संगोष्ठियों के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, समरसता के प्रमुख पर्व में होली और कजलियां महोत्सव के दो वर्षो में आयोजन किया गया।

जैन ने कहा आज की बैठक भी संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हेतु आमंत्रित की गई है जिसमे पौधारोपण और कजलियां महोत्सव के संदर्भ में आपके सुझाव आमंत्रित किए गए थे, जिसमें अधिकतर लोगो ने कजलियां महोत्सव को हनुमानताल में मानने की बात कही है, इस पर संगठन विचार करेगा और शीघ्र ही निर्णय करेगा। साथ ही विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारे उत्तरदायित्व के लिए इस वर्ष आगामी 20 जुलाई को घुघरा लम्हेटा के समीप ही सर्व समाज की सहभागिता से वृहद पौधारोपण कार्यक्रम किया जायेगा।

बैठक में डॉ जितेंद्र जामदार, डॉ अखिलेश गुमास्ता, पं रोहित दुबे, राममूर्ति मिश्रा, शरदचंद्र पालन, पं बृजेश दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, पंकज वात्री एनपी झारिया, कैलाशचंद्र जैन, गोकुल केसरवानी, गोविंद अग्रवाल, अशोक नामदेव, सहेंद्र वास्तव, जगदीश चोहटेल, सरदार रंजीत सिंह,ने शामिल होकर सुझाव दिए।

रंगभूमि बैडमिंटन अकादमी की खिलाड़ी ने अंडर-15 मिक्स डबल्स में किया शानदार प्रदर्शन

आराध्या ने राज्य स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीता सिल्वर मेडल

हरिभूमि, जबलपुर।

इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य मिनी एवं सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में जबलपुर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी आराध्या गुप्ता ने मिक्स डबल्स अंडर-15 वर्ग में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर शहर और अपनी अकादमी का नाम गौरवान्वित किया। यह टूर्नामेंट 6 जुलाई से 12 जुलाई तक खेला गया। आराध्या रंगभूमि बैडमिंटन अकादमी, जबलपुर की खिलाड़ी हैं, जो एली स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कंपनी द्वारा संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आराध्या की यह वर्ष 2025 में दूसरी राज्य स्तरीय पदक जीत है, जो उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

आधुनिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन

रंगभूमि अकादमी के प्रशिक्षकों द्वारा दिए जा रहे आधुनिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से खिलाड़ी लगातार सफलता की ओर अग्रसर हैं। आराध्या की सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि अकादमी की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रणाली की भी प्रमाणिकता है।

शुभकामनाओं का लगा तांता

आराध्या को इस उपलब्धि पर कोच, खेल प्रेमियों, साथियों एवं एली स्पोर्ट्स संस्था द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दी गईं। यह उपलब्धि जबलपुर के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

पांचवां फाउन्डेशन डे मनाया गया

सिहोरा। रिलायंस जिओ बीपी मोबिलिटी स्टेशन सिहोरा रिटेल आउटलेट में आज पांचवां फाउंडेशन डे सेलिब्रेट किया जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका की अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री,मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई पेट्रोल पंप की संचालक श्रीमती अंजना सराफ,श्रीमती रश्मि सराफ एवं अनुपम सराफ के द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। तदपश्चात पेट्रोल पंप परिसर में पौधरोपण किया गया इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्ण सरावगी,भाग्यश्री पहारिया, सृष्टि खरे, दीपाशा साहू, पूनम दिनोदिया, रोशनी रॉय, कंचन जांगिड़, रिया पाण्डे आदि उपस्थित थे।

70 मेधावी छात्र छात्रा आज होंगे विप्र रत्न से सम्मानित

सिहोरा। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा वरिष्ठ नागरिक एंव मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन आज रुक्मणी पैलेस में सुबह 10 बजे से आयोजित किया जायेगा। जिसमें विभिन्न स्कुलो के 70 बालक बालिका विप्र रत्न से सम्मानित होंगे। आयोजन परम पूज्य संत श्री श्री 1008 बनवारी दास महाराज भरभरा आश्रम भटिया के विशेष आतिथ्य तथा आशीष दुबे सांसद जबलपुर के मुख्य आतिथ्य एंव प्रणय प्रभात पांडे विधायक बहोरीबंद,श्रीमती संध्या दिलीप दुबे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद,श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री अध्यक्ष जनपद पंचायत के विशिष्ट आतिथ्य तथा समाज के अध्यक्ष राकेश पाठक की अध्यक्षता में आयोजित होगा जिसमें 80 शाल की आयु पूर्ण कर चुके समाज के दो वरिष्ठ नागरिकों एंव सत्र 2023 में अपने विद्यालय में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले ब्राह्मण समाज के कक्षा दसवीं के 40 एंव बारहवीं के 30 छात्र छात्राओं को स्वर्गीय श्रीमती कमलरानी चौबे मोहतरा की पुण्य स्मृति में पुत्र संजय श्रीमती प्रीति चौबे द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया जायेगा।

अब्दुल हमीद मंडल ने पुलिस अधीक्षक का किया स्वागत

जबलपुर। अब्दुल हमीद मंडल के मंडल अध्यक्ष अकील अहमद एवं मुस्लिम समुदाय द्वारा बड़ी संख्या में एसपी ऑफिस पर एकत्रित होकर पुष्पगुच्छ एवं मिठाइयों के साथ पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया गया एवं उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दी गईं। इसी प्रकार पुलिस का सहयोग प्राप्त होता रहे यही कामना की गई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अकील अहमद, मंडल उपाध्यक्ष किबरिया अंसारी, मुन्ना जनसंघी, पप्पू खान, सोशल मीडिया प्रभारी शमीम अंसारी, नसीर अहमद, मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद आदि उपस्थित थे।

प्राणघातक हमला करने वाले पिता पर कार्यवाही की जाए

जबलपुर। शिवधाम नगर पं. दीनदयाल चौक आईटीआई थाना माढ़ोताल निवासी आकाश पटेल उम्र 26 वर्ष ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर अपने पिता हेमचंद पटेल और सौतेली माँ पर प्राणघातक हमला करने तथा दोषियों पर पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने की शिकायत दी है। आकाश ने बताया कि जब मैं लगभग दो साल का था, तब मेरी मां सिया पटेल और पिता हेमचंद पटेल का तलाक हो चुका था, लगभग 24 वर्षों से मैं और मेरी मां अलग किराए के मकान में रहने लगे एवं मेरा पालन पोषण मेरी मां सिया पटेल के द्वारा किया गया। वर्ष 2012 में मेरे पिता ने दूसरी शादी वंदना पटेल से कर ली थी, पिता से संपत्ति प्रकरण को लेकर मेरा मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बाद लगातार मेरे पिता एवं सौतेली मां (वंदना पटेल) के द्वारा मुझे प्रकरण वापस लेने का दबाव बनाना शुरू कर दिया गया। विगत 30 सितंबर 2024 को मेरे पिता के द्वारा मुझ पर प्रकरण वापस लेने चाकुओं से प्राणघातक हमला किया गया जिसकी शिकायत मैंने थाना विजय नगर में की थी। विगत 25 जून को मेरे पिता ने मुझे समझौते के लिए अपने घर कचनारी (रेंगवा) बुलाया था, मैं अपने पिता के घर पहुंचा तो मेरी सौतेली मां (वंदना पटेल) मुझसे गाली गलौज करने लगी, विरोध करने पर मेरे पिता मुझे धमकाते हुए केश वापस लेने के लिए कहने लगे, इसी बीच मेरी सौतेली मां वंदना पटेल अंदर से बंदूक लेकर आई और मेरे पिता को थमा दी, पिता ने फायर किया तो गोली मेरे हाथ में लगी, मैं वहां से सीधा थाना माढ़ोताल आया एवं पुलिस से शिकायत की, पुलिस के द्वारा मुझे तत्काल ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया एवं तुरंत मेरे पिता एवं सौतेली मां को पकड़ लिया गया और उन पर मामला दर्ज किया गया।

67 रक्तवीरों ने पीड़ित मानवता के लिए उत्साहपूर्वक किया रक्तदान

जबलपुर। पीड़ित मानवता की सेवार्थ, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, प्राणदा प्रकोष्ठ, सक्षम महाकोशल प्रांत, विशुद्ध हेल्थ केयर जनसेवा समिति, सात्विक सेवा समिति एवं होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 12 जुलाई को विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन होटल नर्मदा जैक्सन में किया गया। इस शिविर में 67 से अधिक रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक पीड़ित मानवता के लिए रक्तदान किया। इस अवसर पर सक्षम से डॉ. अंकित सेठ, बसंत घोड़ावत, संकेत मलैया, आशीष चिमनानी, विक्टोरिया बल्ड बैंक से डॉ. अमितोष भल्ला, डॉ. अमिता जैन एवं टीम, ज़िला रेडक्रास से सुनील गर्ग, होटल नर्मदा जैक्सन से अनुज जसूजा आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

रोटरी इंटरेक्ट क्लब के नव नियुक्त सदस्यों ने ली शपथ

जबलपुर। लेनार्ड एचएस स्कूल सिविल लाइन में रोटरी इंटरेक्ट क्लब के नवनियुक्त सदस्यों को एक कार्यक्रम में कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर रोटेरियन अशोक साहू (अध्यक्ष रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर), आरटीएन अभिषेक अग्रवाल (सचिव रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर) और एलजी लोबो (प्रिंसिपल) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों और शिक्षकों द्वारा गुलदस्ता भेंटकर किया गया। इंटरेक्ट क्लब प्रभारी स्वाति पांडे और मिस पूजा वी ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। पूजा रजक ने इंटरेक्ट क्लब की सामाजिक और चेरिटेबिल गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट दी जो पिछले वर्ष 2024-25 के दौरान रोटरी इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों द्वारा दी गई थी। रोटरी इंटरेक्ट क्लब 2025-26 के लिए नामित पदाधिकारियों में ओसकर पुरती अध्यक्ष, दक्ष रजक उपाध्यक्ष, काव्या कोडवानी सचिव, आंचल द्विवेदी संयुक्त सचिव, ट्विंकल पारसवानी कोषाध्यक्ष और निदेशक सनिल, अरबिंदा, अनस, देविका रानी, लवली, नैना शामिल हैं।

पौधारोपण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : कर्चुली

सिहोरा। पौधारोपण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है जिसके लिए व्यक्तियों,समुदायों, सरकारों और उद्योगों को मिलकर काम करना होगा।तभी पर्यावरण संरक्षित होगा उक्ताशय के विचार स्व सेवा संयोजन समिति की सुषमा कर्चुली ने व्यक्त किए। इसी बात के मद्देनजर अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल की वृक्ष बनाने की जिम्मेदारी शाला परिवार की छात्राओं ने शिक्षकों से प्रेरणा लेकर ली।नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा पावन श्रावण मास के उपलक्ष्य में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में निबंध लेखन प्रतियोगिता पर्यावरण और हम विषय पर की गई जिसमें कक्षा सातवीं से 12 तक की छात्राओं ने सहभागिता की।इस अवसर पर स्कूल परिसर में नगर पालिका सिहोरा के सहयोग से पौधरोपण किया गया। स्कूल के प्राचार्य बी एस परस्ते, अशोक तिवारी, राजेश नेमा, कार्तिका गुप्ता, सुषमा नायक, रचि पटेल, पी एल महोबिया, विनोद पटेल, गुड्डा उपाध्याय, सारिका साहू, मीनू परिहार, भावना गौतम, सुषमा गौतम आदि उपस्थित थे।

श्रावण मास संकीर्तन माला का दुर्गा हनुमान मंदिर से हुआ भव्य शुभारंभ

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल नगर के घर-घर में करेगा हरिनाम संकीर्तन

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष पावन श्रावणमास पर श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालिपुरम द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन का भव्य शुभारंभ सरस्वती दुर्गा मंदिर से हुआ। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि पूरे श्रावणमास 11 जुलाई से आगामी 08 अगस्त 2025 पर्यन्त प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे से नगर के घर-घर हरि नाम संकीर्तन किया जावेगा। प्रथम दिवस संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, आचार्य पं. वासुदेव शास्त्री, पं. वीरेंद्र दुबे के सानिध्य में गणेश पूजन, चैतन्य महाप्रभु का आव्हान, मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर हरिनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन दुर्गा मंदिर में संपन्न हुआ। जहां एक से बढ़कर एक संकीर्तन में भक्तजन झूम उठे। इस अवसर पर रघुराज सिंह ठाकुर, राजेश शर्मा, नवीन नेमा, सत्यप्रकाश नामदेव, प्रशांत गुप्ता, सुरेन्द्र गिरी, सुनील ताम्रकार, संदीप नेमा, राजेंद्र ब्यौहार, नितीन दुबे, अंकित बहरे, प्रभा शर्मा, अनिता गुप्ता, प्रीति गुप्ता, कीर्ति चौहान, संगीता ब्यौहार, रेखा खरे, श्वेता गुप्ता, प्रभाकर चतुर्वेदी, केएल दीक्षित, विशाल पंड्या, मोनी विश्वकर्मा, देवेंद्र नेमा सहितबड़ी संख्या में मातृशक्ति, धर्मानुरागी जन उपस्थित रहे। कल कमानिया गेट स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में प्रातः 8.30 बजे हरिनाम संकीर्तन आयोजित है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद खरे- सिहोरा, वार्ड क्रमांक 2 ज्वालामुखी निवासी सलैया वाले राजेंद्र प्रसाद खरे का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल मुक्तिधाम में किया। आप अशोक खरे के बड़े भाई एवं अंकित खरे,आतिश खरे के पिता थे।

श्रीमती सहोदरा देवी उपाध्याय- बिलहरी राजुल सिटी फेस 3 निवासी श्री वचन उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती सहोदरा देवी उपाध्याय (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल शर्मा- अम्बेडकर भवन राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री कौशल शर्मा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ज्ञानेश्वरी दुबे- पुरानी बस्ती ग्वारीघाट निवासी श्री श्याम दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती ज्ञानेश्वरी दुबे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामकली चौधरी- पचपेढ़ी रोड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री अर्जुन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली चौधरी (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री सुनीता श्रीवास्तव- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री जीपी श्रीवास्तव की पुत्री सुश्री सुनीता श्रीवास्तव (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भरत कुमार- नब्बे क्वाटर त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री राधामल के पुत्र श्री भरत कुमार (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री रामजी लाल नगाइच- बावली लाइन पोलीपाथर निवासी श्री रामजी लाल नगाइच (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजू सिंह गौंड़- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री रामदास गौंड़ के पुत्र श्री संजू सिंह गौंड़ (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मराधी बाई राय- अम्बेडकर नगर गली नं. 5, पोलीपाथर निवासी श्री कांता राय की धर्मपत्नी श्रीमती मराधी बाई राय (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्णा सोमी- सुभाष नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री कृष्णा सोमी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती लीला- ग्राम हिनौता मझौली निवासी श्री रामचरण की धर्मपत्नी श्रीमती लीला (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोहर मुटाटकर- गोलबाजार राइट टाउन निवासी श्री मनोहर मुटाटकर (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रविशंकर श्रीवास्तव- मेहर कुटी स्टार सिटी करमेता रोड निवासी श्री रविशंकर श्रीवास्तव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति क्वालम से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

रिंग रोड से लगाकर इकोनामिक जोन बनाया जाए

जबलपुर। शहर के नये मास्टर प्लान के लिये डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश जबलपुर कार्यालय द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जहां जबलपुर चेम्बर ऑफ कामर्स के पदाधिकारी उपस्थित हुये और नये मास्टर प्लान के लिये अपने सुझाव रखे। सुझाव में कहा गया की रिंग रोड से लगकर इकोनॉमिक जोन बनाया जाये। इसी स्थान पर औद्योगिक वाणिज्यिक, कपड़ा क्लस्टर, फार्मास्युटिकल क्लस्टर, रक्षा क्लस्टर, इलेक्ट्रानिक पार्क, एग्रीकल्चर क्लस्टर, कृषि उपज मंडी, होलसेल व्यापार, आदि होगा। नये मास्टर प्लान में ट्रांसपोर्ट हब को शामिल किया जाना चाहिये इससे परिवहन और लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा। इसी स्थान पर ड्राय कन्टेनर हब बनाया जाये। इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट को प्रोत्साहन मिले जिसमें रेल्वे, बस, मेट्रो क्नेक्टिविटी शामिल हो। इस तरह के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब, माल ढुलाई और आपूर्ति श्रंखला को बेहतर बनाने में मदद करेगा, शहर में उद्योग और व्यवसायों को आकर्षित करेगा। मास्टर प्लान में एजुकेशन जोन बनाया जाए।

Changed Of Name
I, Santosh Patel S/O Dinesh Patel R/O H. No. 1820/14, Anand Bhawan, Kanchanpur, Adhartal, P.O. Jabalpur Dist. Jabalpur - 482004 have changed the name of my minor son **Kiaan Patel** aged 5 years and he shall hereafter be known as **RUDRANSH PATEL.**

CHANGE OF NAME
I, BONDAR SONALI INDRAJIT (existing/Previous Name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No. 15438837K RANK NK NAME BONDAR INDRAJEET NANABHAU presently residing at VILL-DEODHANORA, PO-DEODHANORA, TEH-KALLAMB, DISTT-OSMANABAD (MAHARASHTRA)-413507 I, have changed of my name from BONDAR SONALI INDRAJIT (Name as per my Husband Army service records) to BONDAR SONALI INDRAJEET (name as per my AADHAR CARD AND PAN CARD vide affidavit dated - 11/07/2025 (date of affidavit) formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
BONDAR SONALI INDRAJEET
INCORRECT NAME
BONDAR SONALI INDRAJIT

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, BIJALI PRADHAN is legally Wife of No 14646387A RANK HAV NAME APU PRADHAN presently residing at VILL-URURI, PO- URURI, TEH-CONTAI, DISTT-EAST MIDNAPUR (WEST BENGAL)-721458 I, have changed of my date of birth from 04/02/1993 (date of birth as per my Husband, Army service records) to 20/09/1992 (date of birth as per my AADHAR CARD, PAN CARD, AND EDUCATIONAL DOCUMENTS vide affidavit dated 11/07/2025 (date of affidavit) formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH
20/09/1992
INCORRECT DATE OF BIRTH
04/02/1993

टीसी गुमी
मैं अरूण मिश्रा आत्मज श्री रामसुजान मिश्रा उम्र 47 वर्ष, निवासी- म.नं.1287/5, उदय नगर -2, व्हीकल फैक्टरी रोड, जबलपुर निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हू :-1. यह कि मेरा पुत्र रितिक मिश्रा ने वर्ष 2024 में गुरूगोविंद सिंह खालसा स्कूल व्हीकल मड़ई से कक्षा दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिसके उपरांत मेरे पुत्र को शाला द्वारा टी. सी. प्रदान की गई थी। 2.यह कि मेरे पुत्र रितिक मिश्रा की टी. सी. दिनांक 21.06.2025 को शोभापुर से व्हीकल के बीच रास्ते में कहीं गुम गई है जिसकी तलाश किए जाने पर मुझे प्राप्त नहीं हो सकी है । मुझे अपने पुत्र को आगे अध्ययन हेतु टी.सी. की आवश्यकता है। अत: उक्त टी. सी जिस किसी सज्जन को प्राप्त हो निम्न पते एवं नम्बर पर संपर्क करें।
निवासी- म.नं.1287/5, उदय नगर -2, व्हीकल फैक्टरी रोड, जबलपुर
मो. 7000565170, 9399452862

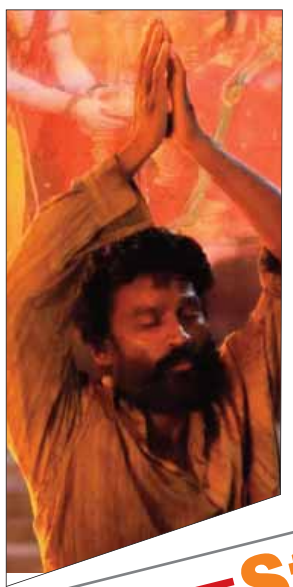

धनुष की 'कुबेर' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता धनुष की फिल्म 'कुबेर' को 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब 'धनुष' अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। 'कुबेर' का प्रीमियर 18 जुलाई, से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

लाइफ Style

रोशनी

'सन ऑफ सरदार 2' में आएंगी नजर

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेता अजय देवगन जल्द ही फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विजय कुमार अरोड़ा ने संभाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

'सन ऑफ सरदार 2' में मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अभिनेत्री रोशनी वालिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिनकी इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। रोशनी वालिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 20 सितंबर, 2001 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। 24 वर्षीय रोशनी वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई प्रयागराज से ही पूरी की है। हालांकि, उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने मुंबई का रुख किया और विज्ञापनों में काम किया। रोशनी ने टीवी शो 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

रोशनी ने 'बालिका वधू: कच्ची उमर के पक्के रिश्ते', 'देवों के देव... महादेव', 'ये वादा रहा' और 'भारत का वीर पुत्र: महाराणा प्रताप' जैसे धारावाहिकों में भी काम किया है। वह वेब सीरीज 'नाम नमक निशान' में नजर आ चुकी हैं। रोशनी ने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' में भी अभिनय किया है। अब वह 'सन ऑफ सरदार 2' के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी।

हॉलीवुड मसाला

सेंसर बोर्ड पर भड़के भारतीय दर्शक

नई दिल्ली। भारत में 'सुपरमैन' देखने गए दर्शक निराश हुए क्योंकि फिल्म से किसिंग सीन हटा दिए गए थे। सोशल मीडिया पर लोगों ने सेंसरशिप की आलोचना की। सीबीएफसी ने कथित तौर पर कई सारी एडिटिंग की है, जिसमें डेविड और रेचल के बीच 33 सेकंड के किसिंग सीन को छोटा कर दिया गया है। उनका कहना है कि सीबीएफसी एक साधारण किस दिखाने की इजाजत नहीं दे रहा है। सोशल मीडिया पर लोगों के शिकायतों की बाढ़ आ गई, कई फैंस ने सेंसरशिप की आलोचना की और उन रोमांटिक सीन्स को काटने के पीछे के कारण पर सवाल उठाए जिन्हें वे मानक मानते थे।

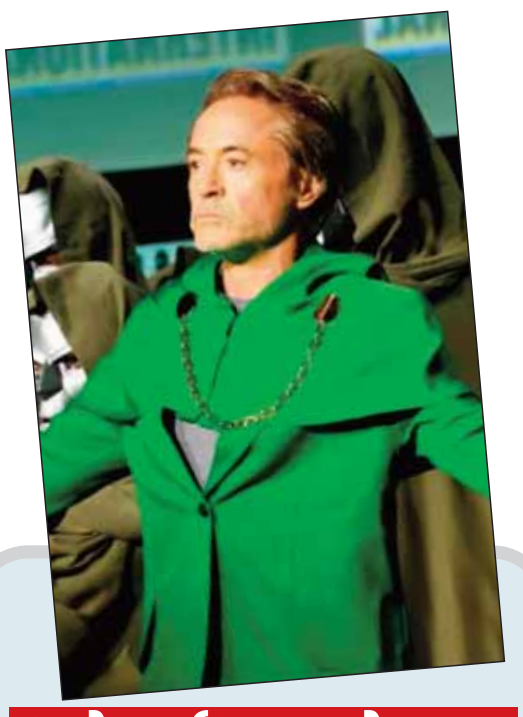

'एवेंजर्सः डूम्सडे' का सीन हुआ लीक...

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के फैंस को 'एवेंजर्स' फ्रेंचाइज की अगली फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' का बेसब्री से इंतजार है। मार्वल स्टूडियो के लिए भी यह फिल्म बहुत मायने रखती है, क्योंकि 2019 में 'एवेंजर्सः एंडगेम' के बाद से एमसीयू की किसी भी फिल्म ने वो सफलता नहीं पाई है, जिसकी इससे उम्मीद रहती है। 'डूम्सडे' जहां 2026 में रिलीज होगी, वहीं उससे पहले 25 जुलाई को 'फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' भी आ रही है। बहरहाल, इस बीच 'एवेंजर्सः डूम्सडे' के सेट से कुछ नई तस्वीर सामने आई हैं, जिसके बाद यह कहा जा रहा है कि फिल्म का प्लॉट लीक हो गया है। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' के सेट से जो नई तस्वीरें आई हैं। दरअसल, तस्वीर में फैंटास्टिक फोर के द थिंग, थंडरबोल्ट्स के यूएस एजेंट और द फाल्कन को एक ही फ्रेम में देखा जा रहा है।

बैटल ऑफ गलवान में आएंगी नजर

मुंबई। अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ दिनों से फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अपूर्व लाखिया को सौंपी गई है। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब चित्रांगदा ने पहली बार सलमान के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की है। चित्रांगदा ने बताया कि वह फिल्म में शामिल होने पर बेहद खास महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि मिस्टर खान कहते थे कि हमें साथ काम करने का मौका जरूर मिलेगा और आखिरकार अब ऐसा हो रहा है। जैसे कि सलमान कहते हैं, 'एक बार मैंने कमिटमेंट कर दी तो मैं अपने आप की भी नहीं सुनता।'

शनाया की पहली फिल्म देख भावुक हुईं मां

मुंबई। अभिनेता विक्रांत मैसी की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' आखिरकार 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए अभिनेता संजय कपूर और उद्यमी महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। अब शनाया की पहली फिल्म देख उनकी मां महीप भावुक हो गई हैं। उन्होंने अपनी खुशी साझा की है। महीप ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पर शनाया की बचपन की तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी बच्ची की पहली फिल्म सिनेमाघरों में आ गई है। भगवान का आभार। आंखों की गुस्ताखियां आपके नजदीकी सिनेमाघरों में।' बता दें कि इससे पहले फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शनाया के लिए एक खास संदेश लिखा। उन्होंने अभिनेत्री की तारीफ में लंबा-चौड़ा नोट लिखा था।

टीवी मसाला

एकता कपूर ने बताया क्यों लौट रहा 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'

मुंबई। इन दिनों अगर छोटे पर्दे का कोई धारावाहिक सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है तो वो है 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'। इसकी पहली झलक से लेकर कहानी और किरदार तक सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। दर्शक टीवी पर इस शो की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उत्सुकता होना भी जायज है, क्योंकि 25 साल बाद यह लोकप्रिय शो लौट रहा है। हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने इस पर बात की।

दूसरा सीजन लाने में झिझक रही थीं एकता : एकता ने सोशल मीडिया पर बताया कि आखिर क्यों इतने लंबे समय बाद अब वह ये शो लेकर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, 'जब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के 25 साल पूरे होने वाले थे और इसे फिर लॉन्च करने का विचार सामने आया तो मेरी पहली प्रतिक्रिया थी, नहीं! मैं क्यों उन पुरानी यादों को छेड़ना चाहूंगी? मैं अपने बचपन को जैसे याद करती हूं और वो वास्तव में वैसा ही था। वो हमेशा अलग रहेगा।'

एकता के मन में आए ये सवाल: एकता आगे लिखती हैं, 'टीवी की दुनिया अब बदल चुकी है। जो कभी सिर्फ 9 शहरों पर निर्भर थी, अब दर्शक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर बिखरे हुए कंटेंट को टुकड़ों में देखते हैं। क्या यह बदलाव 'क्योंकि' की उस ऐतिहासिक टीआरपी को हिला पाएगा, जिसे पहले और बाद में कोई नहीं छू सका? लेकिन क्या यही इस शो की असली विरासत थी? क्या ये सिर्फ एक सबसे ज्यादा टीआरपी वाला शो था?

ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था- एकता : एकता ने लिखा, 'इस शो ने भारतीय घरों की महिलाओं को आवाज दी। साल 2000 से 2005 के बीच पहली बार ऐसा हुआ कि महिलाएं परिवार की बातचीत का हिस्सा बनने लगीं। इसने भारत की कहानी कहने की परंपरा को पूरी दुनिया तक पहुंचाया। ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था, बल्कि इसने घरेलू शोषण, उम्र को लेकर ताने, और इच्छा मृत्यु जैसे मुद्दों को घर-घर में चर्चा का विषय बना दिया। यही थी उस कहानी की असली विरासत।'

इतनी फीस ले रहीं स्मृति ईरानी

एकता कपूर के लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में एक बार फिर स्मृति ईरानी 25 साल बाद एक बार फिर तुलसी बनकर लौट रही हैं। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' का पहला प्रोमो रिलीज हो चुका है, जिसमें स्मृति तुलसी की पूजा करती दिख रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अमुसार, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में एक बार फिर तुलसी की भूमिका निभाने के लिए स्मृति को निर्माताओं को ओर से प्रतिदिन 14 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इसी के साथ वह भारतीय टेलीविजन की सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि स्मृति को पहले सीजन के लिए प्रतिदिन 1,800 रुपये मिलते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद इसका खुलासा किया था।

'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज 'जस्सी' बने अजय

मुंबई। आने वाले दिनों में कई हिट फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच होंगे। इन्हीं में एक है 'सन ऑफ सरदार 2', जिसकी राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देख रहे हैं। फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं, जो पिछली बार अपनी हिट फिल्म 'रेड' का सीक्वल 'रेड 2' लेकर आए थे और एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गए थे। अब उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

कैसा है फिल्म का ट्रेलर?

अजय जब साल 2012 में फिल्म 'सन ऑफ सरदार' लेकर आए थे तो दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो गए थे। उनकी कॉमिक टाइमिंग जबरदस्त थी। जस्सी रंधावा बनकर उन्होंने इस फ्रेंचाइजी में वापसी की है। ट्रेलर में कॉमेडी के साथ-साथ अजय ने एक्शन का भी तड़का लगाया है। हालांकि, इस बार सरदार बने जस्सी और उनकी टोली खास जम नहीं रही है। इसमें मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, साहिल मेहता, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

ट्रेलर देख क्या बोले लोग?

ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, 'जस्सी अपने जबरदस्त डायलॉग्स संग लौट आया है।' एक ने लिखा, 'ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर है पाजी।' एक कमेंट है, 'ट्रेलर इतना झक्कास है तो फिर फिल्म तो पक्का ब्लॉकबस्टर होगी।' उधर कुछ लोगों ने इसे बकवास बताया है। उनका कहना है कि इससे बढ़िया तो पहले वाली फिल्म दोबारा देख लेते। एक ने लिखा, 'कबाड़ा कर दिया सीक्वल का।' उधर कुछ लोगों को ट्रेलर देख दिवंगत अभिनेता मुकुल देव की याद आ गई है।

'मालिक' ही नहीं, देखिए मार-धाड़ से लबरेज बॉलीवुड की ये गैंगस्टर फिल्में

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मानुषी छिल्लर नजर आ रही हैं। राजकुमार पहली बार पर्दे पर गैंगस्टर बन मार-पिटाई करते दिखे हैं और उनका यह एक्शन अवतार प्रशंसकों को खूब भा रहा है। वैसे 'मालिक' से पहले भी बॉलीवुड में कई ऐसी शानदार गैंगस्टर फिल्में बन चुकी हैं, जिनमें एक्शन के साथ-साथ हीरो की डॉनगिरी आकर्षण का केंद्र रही।

'वास्तव' : *महेश मांजरेकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त ने 'रघु भाई' बनकर धमाल मचा दिया था। फिल्म में बहुत ही शानदार तरीके से मुंबई अंडरवर्ल्ड और नेताओं के रिश्ते को दिखाया गया है। आईएमडीबी ने इसे 8 की रेटिंग से नवाजा है। 7 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये कमाए थे। अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर यह फिल्म देखी जा सकती है।*

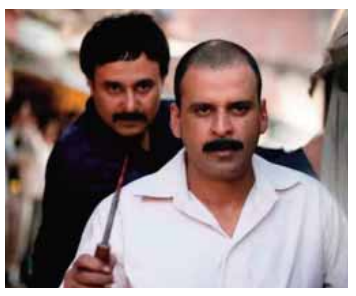

'सत्या' : *राम गोपाल वर्मा के निर्देशन वाली गैंगस्टर फिल्म सत्या से ही मनोज बाजपेयी को बॉलीवुड में पहचान मिली थी या कहें यही वो फिल्म थी, जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित हुई। भीखू महात्रे की भूमिका में मनोज ने अपनी तगड़ी एक्टिंग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। दो करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 15 करोड़ रुपये कमाए थे। आईएमडीबी पर 8.2 रेटिंग वाली ये फिल्म सोनी लिव और यूट्यूब पर मौजूद है।*

'गैंग्स ऑफ वासेपुर': *इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। जब भी बॉलीवुड की बेहतरीन गैंगस्टर फिल्मों की बात होती है तो 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का जिक्र जरूर होता है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फैजल खान का किरदार निभाकर पर्दे पर तबाही मचा दी थी। 8.2 रेटिंग लेने वाली 3 परिवारों के बीच की दुश्मनी और राजनीति पर आधारित इस फिल्म का लुत्फ आप नेटफ्लिक्स और जियो हॉटस्टार पर ले सकते हैं।*

'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' और 'मकबूल': *आईएमडीबी पर 7.4 रेटिंग पा चुकी अजय देवगन, इमरान हाशमी और कंगना रनौत की वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई बेहतरीन गैंगस्टर फिल्मों में से एक है। इसके हरेक सीन पर तालियां बजी थी। आईएमडीबी पर इसे 7.4 रेटिंग मिली है। उधर बॉलीवुड में अलग धाक जमाने वाले दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने फिल्म 'मकबूल' में 'मकबूल' बनकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसकी रेटिंग 8.0 है। दोनों फिल्में अमेजन प्राइम वीडियो, एमएक्स प्लेयर और यूट्यूब पर हैं।*

फिल्म 2 जिद्दी लोगों के बीच अहंकार की लड़ाई देखने को मिलेगी

'लव एंड वॉर' में रणबीर-विक्की के बीच भयानक भिड़ंत, बनेगा भव्य सेट

मुंबई। निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी भव्य फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी पिछली वेब सीरीज 'हीरामंडी' उदाहरण के लिए काफी है। अब भंसाली की अगली फिल्म का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले काफी समय से वह फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग कर रहे हैं, जिसे लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। फिल्म से जुड़ीं अब कुछ ऐसी जानकारियां सामने आई हैं, जिनके बाद इसकी राह देख रहे दर्शकों की बेताबी और बढ़ जाएगी।

जबरदस्त टक्कर देख रोंगटे खड़े हो जाएंगे

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के बीच एक जबरदस्त सीक्वेंस की शूटिंग होने वाली है, जिसे देख दर्शकों रोंगटे खड़े हो जाएंगे। भंसाली की टीम इस वक्त एक काफी बड़ा सेट तैयार करने में लगी है, जहां नई पीढ़ी के ये 2 सबसे दमदार सितारे एक-दूसरे से भिड़ते दिखेंगे। भंसाली ने रणबीर और विक्की के बीच डायलॉग से भरे इस झन्नाटेदार सीन को प्लान और डिजाइन करने में काफी वक्त लगाया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

बता दें कि रणबीर और विक्की ने इस फिल्म के लिए शारीरिक तौर पर काफी बदलाव किए हैं। रणबीर ने जहां 12 किलो वजन घटाया है तो वहीं विक्की ने भी 15 किलो वजन कम किया है। अगर सब योजना के मुताबिक चलता रहा, तो मार्च 2026 तक इस फिल्म को रिलीज किया जा सकता है। ये फिल्म वॉर के बैकग्राउंड पर सेट एक लव स्टोरी है, जिसमें 2 जिद्दी लोगों के बीच अहंकार की लड़ाई देखने को मिलेगी।

कब पूरी होगी 'लव एंड वॉर' की शूटिंग?

सूत्र ने बताया कि 'लव एंड वॉर' की 100 दिनों की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 90 दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। मंसाली 2025 के अंत तक 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। हालांकि, शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा मुंबई के अलग-अलग स्टूडियो में शूट होगा, लेकिन टीम ने अक्टूबर के बाद यूरोप में एक आउटडोर शूटिंग की भी योजना बनाई है। अपनी बाकी फिल्मों की तरह ही भंसाली इसे भी काफी नाप-तौलकर बना रहे हैं।

पहली बार दिखेगी रणबीर, विक्की और आलिया

ये एक ऐसी फिल्म है, जो रणबीर और विक्की द्वारा निभाए गए 2 मजबूत किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों का कनेक्शन आलिया भट्ट के किरदार के साथ दिखाया जाएगा, क्योंकि ये एक लव ट्रायएंगल फिल्म है। रणबीर और विक्की दोनों इस फिल्म में आर्मी अफसर की भूमिका में होंगे। आलिया और रणबीर पहले 'ब्रह्मास्त्र' में साथ काम कर चुके हैं. वहीं 'संजू' में रणबीर ने विक्की के साथ काम किया है। अब तीनों को एक साथ देखना दिलचस्प होगा।

नई दिल्ली। इस दुनिया में केवल एक ही देश ऐसा है जो अपना सारा भोजन पैदा कर सकता है। एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि गुयाना खाद्य आत्मनिर्भरता में अकेला खड़ा है। यह सभी 7 प्रमुख खाद्य समूहों का उत्पादन करता है। यह वैश्विक खाद्य प्रणाली की कमजोरियों के बिल्कुल विपरीत है। कुछ जानकारों का मानना है कि व्यापार युद्ध और जलवायु परिवर्तन से खाद्य सुरक्षा को खतरा है। कई देश बुनियादी खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं। ये देश उत्तम खेती के लिए एकदम लचीली नीतियों पर फोकस करता है।

सब कुछ अपने यहां उगा लेता है यह देश, बाहर से कुछ भी नहीं मंगवाता

एक छोटे से देश ने बड़े-बड़े विकसित देशों खासकर अमेरिका और पश्चिमी देशों समेत दुनियाभर को नसीहत देते हुए कामयाबी की नई लकीर खींच दी है। गुयाना ने ऐसा कारनामा किया है कि यूएन से लेकर हर सरकारी और गैर सरकारी संगठन इस उपलब्धि पर यहां के नेतृत्व और आम लोगों की तारीफ करते हुए उनकी पीठ थपथपा रहे हैं।

इकलौता देश सुंदर भी फूड सिक्योर भी...

जब दुनिया सामाजिक अन्याय, गरीबी, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती खाद्य असुरक्षा के मुद्दे से जूझ रही है, उसी समय एक नई स्टडी में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पूरी धरती पर केवल एक ही देश ऐसा है जो आयात पर निर्भर हुए बिना अपने लोगों को खिलाने के लिए आवश्यक सभी भोजन का उत्पादन कर सकता है।

यहां लोग 'केमिकल' वाला अनाज, फल और सब्जी नहीं खाते!

इस देश में ऑर्गेनिक खेती पर जोर दिया गया है. गुयाना आज खाद्ध उत्पादन सुरक्षा के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो चुका है। जबकि दूसरी ओर अरब प्रायद्वीप जैसे छोटे द्वीप राज्य और अन्य कम आय वाले देश आयातित भोजन पर निर्भर हैं। स्टडी में पता चला कि यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात (दुबई), इराक, कतर, यमन और अफगानिस्तान इस अध्ययन के बेंचमार्क को पूरा करने में सक्षम होने के लिए किसी भी खाद्य समूह का पर्याप्त उत्पादन करने में नाकाम रहे, यानी फेल हो गए।

दालें, फल और सब्जी सब फ्रेश

इस अध्ययन के मुख्य लेखक जोनास स्टेहल ने बीबीसी साइंस फोकस को बताया, 'कम पर्याप्तता स्वाभाविक रूप से खराब नहीं है। वे वैध और अक्सर लाभकारी कारण हैं कि क्यों कोई देश अपने अधिकांश भोजन का उत्पादन करने में सक्षम नहीं हो सकता है। स्टेहल ने कहा, आत्मनिर्भरता का निम्न स्तर किसी देश की अचानक वैश्विक खाद्य आपूर्ति के झटके जैसे सूखे, युद्ध या निर्यात प्रतिबंध का जवाब देने की क्षमता को कम कर सकता है। गुयाना आज फूड सिक्योरिटी में आत्मनिर्भर होने के बाद पूरी दुनिया के लिए नई पॉजिटिव सेंसेशन बन गया है।

किसी पर निर्भर नहीं

खाद्य आत्मनिर्भरता पर गुयाना का यह नया फोकस एक बड़ी समस्या को भी प्रतिबिंबित कर सकता है, जिसे हम अक्सर इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया संपूर्ण विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है, गुयाना का खाद्ध सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर होना पूरी दुनिया के हर छोटे-बड़े देश को एक प्रेरणा देने के साथ वैश्विक खाद्य प्रणाली की नाजुकता की याद दिलाता है। अब बड़ा सवाल यह है कि दुनिया पर मंडराने वाले अगले खाद्ध संकट से पहले अन्य देश कितनी जल्दी कार्य पूरा करते हुए कृषि यानी खाद्ध मामलों में आत्मनिर्भर होंगे।

रोचक खबरें

इंसानों की तरह बंदरों को भी होता है अपने दोस्तों के वीडियो देखने का शौक-अध्ययन

नई दिल्ली। बंदर सबसे समझदार जानवरों में गिने जाते हैं, जिनका व्यवहार काफी हद तक इंसानों जैसा होता है। वे इंसानों की तरह अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी अच्छी होती है। हालांकि, अब एक अध्ययन के जरिए इंसानों और बंदरों के बीच एक विचित्र समानता का पता लगाया गया है।

अपने समुदाय के वीडियो देखना है पसंद : यह अध्ययन नीदरलैंड के यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय और ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पूरा किया है। शोध लंबी पूंछ वाले मकाक बंदरों पर किया गया था, जो एशिया में पाई जाने वाली प्रजाति है। इस अनोखे अध्ययन के मुताबिक, इस प्रजाति के कैद में रहने वाले बंदर अजनबियों के बजाय अपने समूह के सदस्यों के वीडियो देखना पसंद करते हैं। इससे पता चलता है कि ये बुद्धिमान जानवर अपने समुदाय के बारे में जानने के लिए ज्यादा उत्सुक रहते हैं। अध्ययन को पूरा करने के लिए नीदरलैंड के एक शोध केंद्र में 30 बंदरों की जांच की गई, जिन्हें 2 समूहों में बांटा गया था। हर बंदर को व्यक्तिगत रूप से 2 मिनट के 16 वीडियो क्लिप दिखाए गए थे, जो या तो उनके समूह के सदस्यों के थे या फिर अनजान बंदरों के थे।

बंदरों के व्यक्तित्व ने किया वीडियो देखने की प्रक्रिया को प्रभावित

बंदरों के व्यक्तित्व ने भी वीडियो देखने की प्रक्रिया को प्रभावित किया था। निचली रैंकिंग वाले बंदरों ने उच्च रैंकिंग वाले बंदरों की तुलना में अपने समूह के सदस्यों के वीडियो देखने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। बंदरों ने साफ-सफाई या बैठने जैसी शांत गतिविधियों की तुलना में संघर्ष या सक्रिय गतिविधियों वाले वीडियो पर ज्यादा ध्यान दिया। जब वीडियो में बैठने या सजने-संवरने जैसी सामान्य गतिविधियां दिखाई गईं, तब भी बंदर अजनबियों की फुटेज की तुलना में परिचित चेहरे देखना पसंद कर रहे थे।

जापानी होटल खिलौनों के लिए दे रहे हैं छोटे बिस्तर, गुड्डे-गुड़िया भी कर सकेंगे आराम

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों से लोगों के बीच लबुबु जैसे गुड्डे-गुड़िया का चलन बढ़ गया है। महिलाएं इन्हें अपने पर्स में टांगना पसंद करती हैं या यात्रा करते समय साथ ले जाती हैं। अगर आपको भी गुड्डे-गुड़िया साथ रखने का शौक है तो आपके लिए एक खुश खबरी है। दरअसल, जापान का एक आलीशान होटल अपने सभी कमरों में बेहद प्यारे छोटे बिस्तरों की सुविधा देता है। इन बिस्तरों पर यात्री अपने गुड्डे-गुड़िया को सुला सकते हैं।

यह खास पेशकश करने वाले होटल का नाम टोक्यो इन है। यह होटल यह सेवा उन यात्रियों के लिए लेकर आया है, जो अपने नन्हें गुड्डे-गुड़िया को अपने साथ लेकर ही हर जगह जाते हैं। अगर मेहमान इस होटल में 175 रुपये ज्यादा देते हैं तो उन्हें एक छोटा-सा बिस्तर और गुड्डे-गुड़िया को पहनाने के लिए छोटा-सा पायजामा दिया जाता है। यात्रियों को यह सेवा इतनी पसंद आ रही है कि इस होटल की लोकप्रियता अचानक बढ़ गई है। होटल के कर्मचारियों को उम्मीद थी कि यह अनोखी सुविधा लोगों को पसंद आएगी। यह बात पूरी तरह सच साबित हुई, क्योंकि लोगों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बेहतर रहीं।

क्रिस्टीज में गहनों की नीलामी से हुई 759 करोड़ रुपये की कमाई, तोड़े सभी रिकार्ड

नई दिल्ली। आपने वह कहावत तो सुनी होगी की 'हीरे महिलाओं के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं।' अगर वे खूबसूरत गहनों में जड़े हों तो उनकी अहमियत और बढ़ जाती है। यह बात हाल ही में हुई एक नीलामी से साबित हो गई है, जिसने जेवरों की नीलामी के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दरअसल, क्रिस्टीज नीलामीघर ने जेवरों की सबसे बड़ी नीलामी आयोजित की थी, जिसके जरिए रिकॉर्ड तोड़ कमाई की गई है। चलिए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

प्रसिद्ध नीलामीघर क्रिस्टीज ने आभूषण जगत में नए मानक स्थापित करते हुए इतिहास रच डाला है। यह नीलामी न्यूयॉर्क में आयोजित करवाई गई थी और इसे 'मैग्निफिसेंट ज्वेल्स ऑक्शन' नाम दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि गहनों की इस नीलामी के जरिए क्रिस्टीज ने 759 करोड़ रुपये की भारी कमाई कर डाली है। इसके दौरान कई प्राकृतिक हीरों और रत्नों से सजे आभूषण बेचे गए थे। इस नीलामी में केवल अमेरिका से ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग शामिल हुए थे। नीलामी शुरू होने से पहले ही लोगों के उत्साह से कमरा गूंज उठा था। जैसे ही नीलामी शुरू हुई, सभी ने बढ़-चढ़कर बोली लगाना शुरू कर दिया। कई लोग तो मोबाइल पर कॉल करके या ऑनलाइन भी बोली लगा रहे थे। इस नीलामी में जितने भी आभूषण उपलब्ध थे वे सभी आसानी से बिक गए थे। इस नीलामी में मुगल साम्राज्य के कई आभूषण बेचे गए, जिनकी कीमत करोड़ों में लगी। हालांकि, इसका मुख्य आकर्षण गुलाबी रंग का एक हीरा रहा, जिसका नाम 'मैरी-थेरेसे पिंक डायमंड' है। इसे प्रसिद्ध जौहरी जेएआर द्वारा अंगूठी में जड़ा गया था और यह 10.38 कैरेट का पतंग के आकार का बैंगनी-गुलाबी हीरा है।

नजारे

समुद्री जीवन के खूबसूरत दृश्यों का आनंद

दुनिया के खूबसूरत अंडरवाटर रेस्टोरेंट समुद्री नजारे कर देंगे मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली। समुद्री जीवन के खूबसूरत नजारे को देखते हुए तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद लेना यकीनन कई लोगों को महज एक ख्वाब लगता होगा, लेकिन दुनियाभर में ऐसे कुछ रेस्टोरेंट हैं, जो इस ख्वाब को सच्चाई में बदल सकते हैं। मालदीव से लेकर दुबई तक में कई खूबसूरत अंडरवाटर रेस्टोरेंट हैं, जहां के नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे।

इथा अंडरसी रेस्टोरेंट, मालदीव : मालदीव का इथा अंडरसी रेस्टोरेंट समुद्र की सतह से पांच मीटर नीचे स्थित है, जो पूरी तरह से मजबूत कांच से बना हुआ है। अगर आप कभी भी मालदीव जाने का प्लान बनाते हैं तो यहां जाकर यूरोपीय और एशियाई व्यंजनों के साथ-साथ समुद्री जीवन के खूबसूरत दृश्यों का आनंद का लुत्फ उठाएं। यही नहीं, इस रेस्टोरेंट में दुनिया की कुछ बेहतरीन वाइन के साथ सात-कोर्स फ्यूजन व्यंजन भी उपलब्ध हैं।

पोसीडॉन अंडरसी रिजॉर्ट और रेस्टोरेंट, फिजी

फिजी में एक निजी द्वीप पर स्थित पोसीडॉन अंडरसी रिजॉर्ट और रेस्टोरेंट 225 एकड़ में फैला हुआ है। यह रेस्टोरेंट समुद्री जीवन का लगभग 360 डिग्री दृश्य प्रस्तुत करता है। इस रेस्टोरेंट में शादी समारोहों और हनीमून के आयोजन के लिए भी कई सुविधाएं मौजूद हैं। यह 5,000 एकड़ लैगून से घिरा हुआ है, जो 27 मीटर की गहराई तक पानी से भरा हुआ है।

ल'ओशनोग्राफिक सबमैरिनो रेस्टोरेंट, स्पेन

स्पेन का ल'ओशनोग्राफिक सबमैरिनो रेस्टोरेंट शानदार सर्कुलर एक्वेरियम के ठीक बीचो बीच स्थित है। इस रेस्टोरेंट में जाकर आप तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद लेते हुए विभिन्न प्रकार की मछलियों, समुद्री पौधों और शार्क तक को करीब से देख सकते हैं।

कार्गो होल्ड रेस्टोरेंट दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के डरबन में फैंटम नामक जहाज के केंद्र में स्थित यह रेस्टोरेंट समुद्र और शार्क टैंक के शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। इस रेस्टोरेंट का आकर्षक केंद्र एक शार्क हैं, जिसे करीब से देखते हुए आप तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह रेस्टोरेंट कॉर्पोरेट पार्टियों के आयोजन के लिए एक शानदार माहौल प्रदान करता है।

ओसियानो मिशेलिन-स्टार रेस्टोरेंट,

दुबई में अटलांटिस द पाम में स्थित ओसियानो मिशेलिन-स्टार रेस्टोरेंट में जाकर आप स्टिंग्रेज, शार्क और अन्य मछलियों को नजदीक से देखते हुए विभिन्न व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। यह रेस्टोरेंट अपने ग्राहकों को एक अलग अनुभव प्रदान करने के लिए लाइव म्यूजिक के साथ तरह-तरह के सीफूड व्यंजनों की पेशकश करता है। अगर आपको सीफूड पसंद है तो आप इस रेस्टोरेंट का रुख कर सकते हैं।

ये हैं दुनिया की सबसे महंगी कॉफी, जानिए क्यों हैं इतने अधिक दाम

नई दिल्ली। चाहे सुस्ती महसूस हो या थकान हो गई हो, एक कप गर्मा-गर्म कॉफी पीना ऊर्जा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका होता है।

यह पेय सदियों से दुनियाभर के लोगों की पहली पसंद बना हुआ है, जिसे न जाने कितने तरीकों से बनाया जा सकता है। वैसे तो कॉफी बेहद किफायती होती है, लेकिन उसके प्रकार के अनुसार उसके दाम बदलते हैं। आज हम आपको दुनिया की 5 सबसे महंगी कॉफी के बारे में बताएंगे, जिनका स्वाद भी लाजवाब होता है।

फिंका एल इंजेर्तो : फिंका एल इंजेर्टो ग्वाटेमाला में स्थित कॉफी का खेत है, जो अपनी असाधारण गुणवत्ता वाली कॉफी के लिए प्रसिद्ध है। 1874 से एगुइरे परिवार इस खेत की देख-रेख करता आया है। इस परिवार के सदस्य बोरबॉन जैसी अन्य अनूठी किस्मों का उपयोग करके प्रीमियम कॉफी का उत्पादन करते हैं। यह कॉफी 94,000 रुपये प्रति किलो में बिक सकती है।

कोपी लुवाक : कोपी लुवाक इंडोनेशिया की पहचान है, जिसे सिविट कॉफी भी कहा जाता है। यह कॉफी एक प्रजाति की बिल्ली की पॉटी से तैयार होती है, जिसे सिविट या लुवाक बिल्ली कहते हैं। ये बिल्लियां कॉफी चेरी को खाकर पचा लेती हैं, लेकिन उनके बीज उनके पेट में रह जाते हैं। यह 21,000 से 51,000 रुपये किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी : ब्लैक आइवरी दुनिया की सबसे दुर्लभ कॉफी है, जो थाईलैंड में ही मिलती है। यह अपनी अनोखी उत्पादन प्रक्रिया के लिए जानी जाती है, जिसमें हाथियों का उपयोग किया जाता है। हाथियों को पहले पकी हुईं अरेबिका चेरी खिलाई जाती हैं, जिसके बाद उनके मल से बीजों को एकत्रित करके कॉफी बनाई जाती है। इसकी कीमत 42,000 रुपये प्रति किलो है।

हैसिंडा ला एस्मेराल्डा : पनामा के ठंडे पहाड़ी इलाकों से एक ऐसी कॉफी आती है, जिसका स्वाद फूलों के रस जैसा होता है। हैसिंडा ला एस्मेराल्डा खेत की गीशा किस्म वाली कॉफी अपनी चमेली की खुशबू और खट्टेपन के लिए मशहूर है। इसकी कीमत लगभग 29,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

राजस्थान में निकले 4,500 साल पुरानी सभ्यता के सबूत

नई दिल्ली। राजस्थान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को लगभग 4500 साल पुरानी एक प्रचीन सभ्यता के सबूत मिले हैं। एएसआई ने डीग जिले के बहज गांव में 10 जनवरी 2024 से खुदाई शुरू की थी। अब जो सबूत हाथ लगे हैं, वे इतिहास प्रेमियों और पुरातत्वविदों को जरूर रोमांच से भर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस खुदाई में 23 मीटर गहराई तक जाकर एक प्राचीन नदी का चैनल मिला है। इसे सरस्वती नदी से जोड़ा जा रहा है, जिसका ऋग्वेद में जिक्र किया गया है। एएसआई साइट सुपरवाइजर सारस्वत ने बातचीत में बताया कि यह जल प्रणाली मुमकिन है कि प्रारंभिक मानव बस्तियों के लिए सहायक थी, और सरस्वती घाटी को मथुरा और ब्रज क्षेत्रों से जोड़ती थी।

खुदाई में मिले मौर्य काल के अवशेष

गुप्त काल की वास्तुकला, धातु विज्ञान से जुड़ी भट्टियां, तांबे और लोहे के कच्चे माल के सबूत और हड्डियों से बने औजार, जैसे- सुई, कंघा और सांचे भारत में पहली बार इस रूप में सामने आए हैं। खुदाई में मिले अन्य सबूतों में शिव-पार्वती की टेराकोटा मूर्तियां शामिल हैं, जो शक्ति और भक्ति परंपराओं से जुड़ी हैं। शंख की चूड़ियां और अर्ध-कीमती पत्थर के मनके भी मिले, जो उस समय के व्यापार और सौंदर्य परंपराओं को दिखाते हैं। 15 से ज्यादा यज्ञ कुंड वैदिक और उत्तरवैदिक काल के धार्मिक अनुष्ठानों की पुष्टि करते हैं।

कुषाण काल के सिक्के और मुहरें

खास बात यह कि खुदाई में एक मानव कंकाल भी मिला है, जिसे जांच के लिए इजरायल भेजा गया है. राजस्थान एएसआई प्रमुख विनय गुप्ता ने कहा यह खुदाई ना केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के प्राचीन इतिहास को समझने के लिए एक नई दिशा देती है। एक रिपोर्ट संस्कृति मंत्रालय को भेजी जाएगी। जल्द ही इस क्षेत्र को राष्ट्रीय पुरातात्विक संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है।

पेरिस में एक हैंडबैग हुआ 85 करोड़ रुपये में नीलाम

पेरिस। हर्मेस बिर्किन बैग एक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लक्जरी हैंडबैग है, जो अपने शिल्प कौशल और अधिक कीमत के लिए प्रसिद्ध है। इसका नाम अंग्रेजी-फ्रांसीसी अभिनेत्री और गायिका जेन बिर्किन के नाम पर रखा गया था और इसे पहली बार फ्रांसीसी लक्जरी सामान निर्माता कंपनी हर्मेस ने 1984 में पेश किया था।

अब जेन के लिए खास तौर से बनाए गए मूल हर्मेस हैंडबैग ने नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह 85 करोड़ रुपये की कीमत पर नीलाम हुआ है। इस बैग की नीलामी का आयोजन पेरिस में करवाया गया था और यह यूरोप में नीलाम होने वाली अब तक की सबसे महंगी फैशन एक्सेसरी बन गया है। इसे सोथबी नामक नीलामीघर ने बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया था।

किसने बेचा यह बेशकीमती बैग?

इस बैग की खासियत यह है कि यह हर्मेस द्वारा तैयार किया गया पहला बिर्किन था। सोथबी के अनुसार, 1994 में नीलामी में बिर्किन द्वारा बिक्री के लिए रखे जाने के बाद से यह 2 बार बेचा गया। अब तक यह कैथरीन बेनियर नाम की महिला के पास था। उन्होंने कहा, मेरी पुरानी यादें ताजा हो रही हैं कि अब यह बैग मेरा नहीं रहा, लेकिन मुझे खुशी है कि इसे एक नया प्यारा घर मिल गया है। पेरिस से लंदन की उड़ान करते समय जेन ने हर्मीस के प्रमुख जीन-लुई डुमास से शिकायत की कि एक मां होने के नाते उन्हें अपनी जरूरतों के मुताबिक बैग नहीं मिल पा रहा। इससे प्रेरित हो कर ही 1984 में उनके लिए एक बड़ा टोट बैग तैयार किया गया, जिसमें दूध की बोतल भी रखी जा सकें। इसे जेन हमेशा अपने साथ रखती थीं और स्टीकर से सजाती थीं।

जेन ने सालों तक इस्तेमाल किया था यह बिर्किन बैग

इसमें धातु के छल्ले, एक न अलग होने वाला कंधे का पट्टा और एक अंतर्निर्मित नाखून काटने वाला उपकरण जैसी विशेषताएं शामिल हैं। सोथबी ने पहले कहा था कि इस बैग की स्थिति अभिनेत्री और गायिका द्वारा कई वर्षों तक उपयोग किए जाने को दर्शाती है। सोथबी की हैंडबैग और फैशन की वैश्विक प्रमुख मोर्गन हालिमी ने कहा, यह बिक्री असाधारण वस्तुओं की तलाश करने वाले संग्राहकों के जुनून और इच्छा को जगाने की क्षमता का एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन है।

खोज

वैज्ञानिक का दावा - नई खोज में मिले हैं सबूत

पता चल गया गीजा का पिरामिड किसने बनाया था

नई दिल्ली। गीजा का विशाल पिरामिड दुनिया के आश्चर्यों में एक हैं। अक्सर इसके निर्माण को लेकर बातें होती रहती हैं कि आखिर इतने विशाल स्ट्रक्चर को इतने सटीक तरीके से किसने बनाया होगा? पुरात्वविद हमेशा इस सवाल का जवाब ढूंढते आए हैं। अब तक यही माना जाता रहा है कि पिरामिड को बनाने में कई साल लगे। मिस्र के फराहो ने इसे बनवाने में गुलामों का इस्तेमाल किया होगा।

अब एक नई खोज ने इस बात को खारिज कर दिया है कि इसका निर्माण गुलामों ने किया था। गीजा के महान पिरामिड के अंदर कुछ असाधारण खोज से पता चलता है कि इन्हें वास्तव में किसने बनाया था। पुरातत्वविदों ने मिस्र के महान पिरामिड के अंदर एक महत्वपूर्ण खोज की है, जिससे यह पुष्टि हो गई है कि 4,500 वर्ष पहले इस स्मारक का निर्माण वास्तव में किसने किया था?

कुशल श्रमिकों ने दिया पिरामिड को आकार

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रसिद्ध इजिप्टोलॉजिस्ट डॉ. जाही हवास और उनकी टीम के हाथ कुछ ऐसा लगा , जिससे पता चलता है कि दुनिया के इस प्राचीन आश्चर्य का निर्माण एक लाख गुलामों द्वारा नहीं, बल्कि वहां कठोर शासन के तहत काम करने वाले अत्यंत कुशल, पेशेवर और वेतनभोगी श्रमिकों द्वारा किया गया था। नई खोज से पता चलता है कि इसका निर्माण वेतनभोगी कुशल मजदूरों द्वारा किया गया था, जो लगातार काम करते थे और हर 10 दिन में एक दिन की छुट्टी लेते थे। पिरामिड के दक्षिण में स्थित कब्रों का भी पता लगाया, जो कुशल श्रमिकों के अंतिम स्थल हैं। इनमें पत्थरों को काटते हुए श्रमिकों की मूर्तियां और 'पिरामिड के किनारे के पर्यवेक्षक' और 'शिल्पकार' की 21 चित्रलिपि उपाधियां भी हैं। यदि पिरामिड को बनाने वाले गुलाम होते, तो उन्हें कभी भी पिरामिडों के अंदर जगह नहीं मिलती, यानी कि उनकी कब्र पिरामिड के अंदर नहीं बनाई गई होती।

पत्थरों को काटती उनकी मूर्तियां

रिपोर्ट के अनुसार , एक क्रांतिकारी खोज में पुरातत्वविदों ने महान पिरामिड के ठीक दक्षिण में कब्रों का पता लगाया है। इन प्राचीन कब्रों में न केवल चकमक पत्थर के औजार और पत्थर तोड़ने जैसे औजार थे, बल्कि ऐसी मूर्तियां भी थीं जो बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉकों को हिलाते हुए मजदूरों को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। हालांकि, सिर्फ ये कब्रें ही चर्चा का विषय नहीं हैं। डॉ. हवास ने पिरामिड के वास्तविक निर्माण के तरीकों पर भी प्रकाश डाला है। निर्माण में उपयोग किया गया चूना पत्थर मात्र 1,000 फ़ीट दूर से लाया गया था। साक्ष्य बताते हैं कि इसे मलबे और मिट्टी से निर्मित रैंप सिस्टम का उपयोग करके ले जाया गया था।